भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1630
13/03/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

'ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान' (जीपीएलडब्ल्यूएफ) पहल

1630 श्री नारायण कोरागप्पा:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने हाल ही में 'ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान' (जीपीएलडब्ल्यूएफ) पहल का शुभारंभ किया है;
(ख) यदि हां, तो जीपीएलडब्ल्यूएफ के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;
(ग) जीपीएलडब्ल्यूएफ किस सीमा तक किसानों के लिए स्थानीय मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है; और
(घ) जीपीएलडब्ल्यूएफ किसानों को कितने दिन पहले मौसम का पूर्वानुमान उपलब्ध कराएगा?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) ने हाल ही में ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) पहल आरंभ की है। पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) के सहयोग से भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 24 अक्टूबर 2024 को भारत की लगभग सभी ग्राम पंचायतों के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) आरंभ किया है। ये पूर्वानुमान डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे कि ई-ग्राम स्वराज (https://egramswaraj.gov.in/), मेरी पंचायत ऐप, पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) के ई-मानचित्र, तथा IMD के मौसमग्राम (https://mausamgram.imd.gov.in/) पर उपलब्ध हैं।

(ख) ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) का मुख्य लक्ष्य और उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक मौसम पूर्वानुमान उपलब्ध कराना है, जिसमें तापमान, वर्षा, आर्द्रता, पवन और बादल की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर शामिल हैं - ये आवश्यक डेटा हैं जिनकी किसानों को बुवाई, कटाई और सिंचाई के संबंध में निर्णय लेने के लिए आवश्यकता होती है।यह प्लेटफॉर्म देशभर में पंचायत स्तर पर कभी भी और कहीं भी मौसम पूर्वानुमान सूचना को सुलभ बनाता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत पशु सखियों और कृषि सखियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक मौसम संबंधी जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

(ग)-(घ) ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) 36 घंटे तक की लीड अवधि, 36 घंटे से लेकर अगले पांच दिनों तक हर 3 घंटे पर, तथा अगले 5 से 10 दिनों तक हर 6 घंटे पर स्थानीयकृत मौसम जानकारी किसानों तक उपलब्ध कराने में सहायता करता है। पूर्वानुमान में तापमान, वर्षा, सापेक्षिक आर्द्रता, पवन एवं मेघ आच्छादन जैसे महत्वपूर्ण मौसम मापदण्डों को शामिल किया जाता है।

******